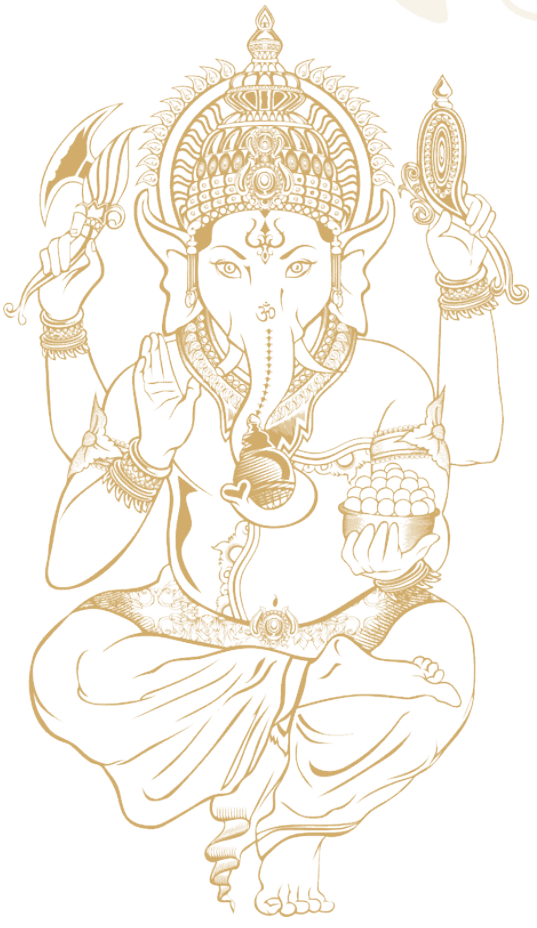

Yash

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121509502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1998	जन्म तिथि	17/03/2000
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 15:29:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 24:46:54	जन्म समय(घटी)	28:42:05 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Jaipur Rly Station
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	75:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:14	सूर्योदय	06:34:14
19:22:33	सूर्यास्त	18:36:24
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि		29:53:09	तुला	लग्न	सिंह	26:02:43	बुध 1वर्ष 4मा 1दि	
शुक्र		21:15:51	मिथु	सूर्य	मीन	03:21:57	शुक्र	
11/12/2012		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	कर्क	28:57:02	19/07/2008	
11/12/2032		06:52:11	मिथु	मंगल	मेष	02:03:40	19/07/2028	
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	कुंभ	09:16:07	शुक्र	18/11/2011
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	मेष	12:08:51	सूर्य	17/11/2012
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	कुंभ	11:07:55	चन्द्र	19/07/2014
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि	मेष	20:04:36	मंगल	18/09/2015
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	कर्क	08:33:56	राहु	18/09/2018
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	मक	08:33:56	गुरु	19/05/2021
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष	मक	25:09:09	शनि	19/07/2024
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप	मक	11:59:57	बुध	20/05/2027
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	19:02:42	केतु	19/07/2028

लग्न-चलित

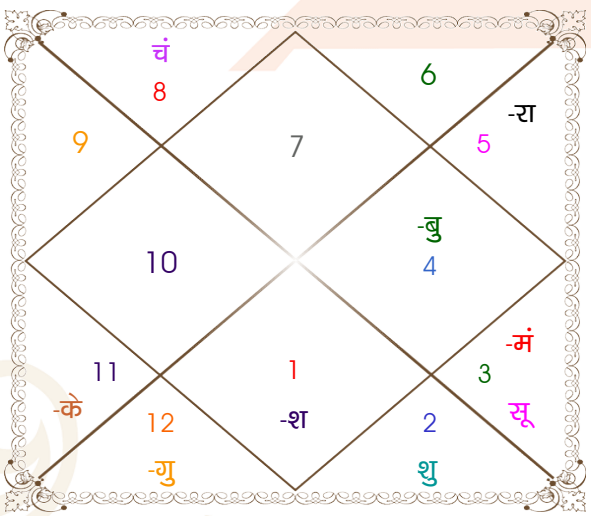

लग्न-चलित

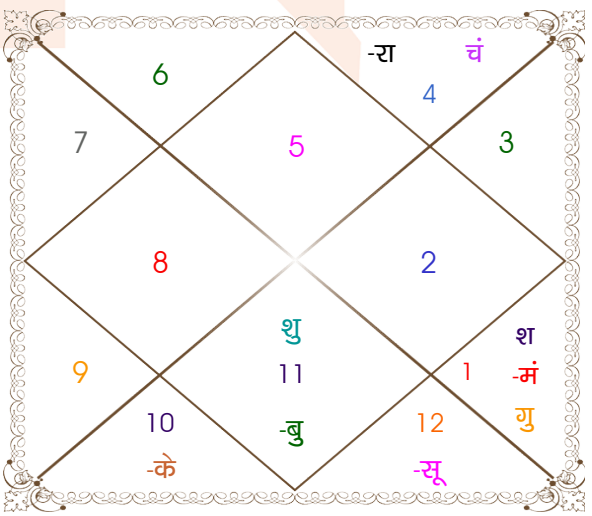

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

लैे का वर्ग मृग है तथा च्तपलं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे और च्तपलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

च्तपलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

लैे तथा च्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।